खेत बचाओ अभियान : संतुलित उर्वरक उपयोग व प्राकृतिक खेती अपनाने किसानों को किया जागरूक

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 30 जून। मध्य प्रदेश शासन के कृषि विभाग के निर्देशानुसार जिले में संचालित खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जिले के सभी विकासखंडों में कृषि विभाग एवं आत्मा योजना के मैदानी अमले द्वारा किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। अधिकारियों ने किसानों को संतुलित एवं विवेकपूर्ण उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती तथा हरी खाद के प्रयोग के महत्व की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को बताया गया कि वर्तमान समय में लगातार रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से मिट्टी की उर्वराशक्ति प्रभावित हो रही है। ऐसे में मृदा परीक्षण के आधार पर आवश्यकतानुसार उर्वरकों का प्रयोग करना अधिक लाभकारी है। इससे उत्पादन लागत कम होती है, मिट्टी की गुणवत्ता एवं उर्वराशक्ति लंबे समय तक बनी रहती है तथा फसल उत्पादन के साथ उसकी गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को प्राकृतिक खेती, हरी खाद के उपयोग तथा समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैविक एवं प्राकृतिक संसाधनों के अधिक से अधिक उपयोग से भूमि की उत्पादक क्षमता बढ़ती है, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है और खेती को अधिक टिकाऊ बनाया जा सकता है।

किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के लिए नियमित रूप से मिट्टी की जांच कराने, वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुरूप उर्वरकों का उपयोग करने तथा फसलों में संतुलित पोषण अपनाने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति से की गई खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता को भी सुरक्षित रखती है। कृषि विभाग एवं आत्मा योजना के अधिकारियों ने किसानों से प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे आने वाली पीढ़ियों के लिए भी कृषि भूमि सुरक्षित और उपजाऊ बनी रहेगी।

विभाग ने बताया कि खेत बचाओ अभियान के तहत आगामी दिनों में भी जिले के विभिन्न विकासखंडों एवं ग्रामों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक अभियान का लाभ पहुंचाया जा सके।

ग्रामीणों की ममता ने बचा ली मासूम की सांसें

झाड़ियों में रोती मिली जिन्दगी, जन्म के कुछ घंटों बाद ही अपनों ने छोड़ा

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 30 जून। जिस गोद में जन्म लेते ही ममता का स्पर्श मिलना चाहिए था, उसी मासूम को जन्म के कुछ घंटों बाद सुनसान झाड़ियों के हवाले कर दिया गया। पोहरी थाना क्षेत्र के ग्राम अगर्रा में मंगलवार सुबह उस वक्त हर आंख नम हो गई, जब झाड़ियों से एक नवजात के रोने की दर्दभरी आवाज सुनाई दी।

ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक दिन का मासूम असहाय हालत में पड़ा है। गांव की महिलाओं ने उसे अपनी गोद में उठाया, सीने से लगाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। डायल-112 की टीम ने बिना देर किए बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोहरी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उपचार और फीडिंग के बाद बताया कि मासूम अब खतरे से बाहर है। बेहतर देखभाल के लिए उसे जिला अस्पताल शिवपुरी रेफर किया गया है। मामले की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन को भी दे दी गई है, ताकि बच्चे की सुरक्षा और भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

पुलिस अब उस व्यक्ति की तलाश में जुटी है जिसने इस मासूम को झाड़ियों में छोड़ दिया। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। यह घटना केवल एक पुलिस केस नहीं, बल्कि इंसानियत को झकझोर देने वाला सवाल है। जिसने अभी दुनिया देखना भी शुरू नहीं किया, उसे अपनों ने ही मौत के भरोसे छोड़ दिया। यदि ग्रामीण समय पर उसकी पुकार नहीं सुनते, तो शायद यह मासूम आज जीवित नहीं होता। इस नन्हीं जान को नई जिंदगी तो मिल गई, लेकिन उसके रोने की वह आवाज समाज के संवेदनहीन होते चेहरे पर कई सवाल छोड़ गई।

दो घूंट पानी के लिए सड़क भिड़े महिला-पुरुष, पुलिस ने संभाला मोर्चा

शिवपुरी, 30 जून। शहर के व्यस्ततम माधव चौक पर सोमवार रात दो घूंट पानी को लेकर शुरू हुआ विवाद कुछ ही मिनटों में सड़क पर हंगामे में बदल गया। एक महिला और पुरुष के बीच हुई तीखी कहासुनी ने राहगीरों का ध्यान खींच लिया और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद की शुरुआत एक दुकान पर पानी पीने की बात से हुई। मामूली तकरार जल्द ही आरोप-प्रत्यारोप में बदल गई और दोनों पक्ष बीच सड़क पर बहस करने लगे। बढ़ते हंगामे से कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ और आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति पर नियंत्रण किया।

पुलिस ने शांतिपूर्वक समझाइश देकर मामला सुलझाने का प्रयास किया तथा दोनों से लिखित शिकायत देने को कहा। दिलचस्प बात यह रही कि काफी देर तक चले विवाद के बाद भी किसी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई। ऐसे में पुलिस ने दोनों को समझाइश देकर रवाना कर दिया और मामला मौके पर ही समाप्त हो गया। एक मामूली बात पर सार्वजनिक स्थान पर हुआ यह विवाद कुछ देर के लिए शहर में चर्चा का विषय बना रहा।

चिड़ियाघर में तेंदुआ बीमार

ग्वालियर 30 जून। गांधी प्राणी उद्यान में तेंदुए ने बीमारी के चलते खाना छोड़ दिया। उसका उपचार डॉक्टरों द्वारा नियमित किया जा रहा है। प्रभारी चिड़ियाघर डॉ. उपेन्द्र यादव ने बताया कि गांधी प्राणी उद्यान में वर्ष 2018 में घाटीगांव स्थित सोनचिरैया अभ्यारण में कुएं में गिरने से घायल हुए नर तेंदुए को रेस्क्यू कर लाया गया था। इस तेंदुए के दो पंजे कटे हुए थे, जिसके चलते उसका समुचित उपचार गांधी प्राणी उद्यान में किया गया था। वर्तमान में यह तेंदुए 20 साल का हो चुका है, और कुछ समय से बीमार चल रहा है, जिसके चलते उसने खाना छोड़ दिया है।

पांच माह से फरार हत्या का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

शिवपुरी, 30 जून। थाना भौंती पुलिस ने हत्या के मामले में करीब पांच माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले तथा एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के निर्देशन में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, 3 फरवरी 2026 को ग्राम महोबा डामरौन निवासी शीतल जाटव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पुरानी रंजिश के चलते पूरन जाटव और छोटेलाल उर्फ छोटे जाटव ने उनकी सास दिरो बाई जाटव के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी थी। उपचार के दौरान 4 फरवरी 2026 को ग्वालियर के जेएएच अस्पताल में दिरो बाई की मृत्यु हो गई, जिसके बाद प्रकरण में हत्या की धारा बढ़ाई गई। विवेचना के दौरान पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी पूरन जाटव (30) निवासी ग्राम महोबा डामरौन को गिरफ्तार कर न्यायालय पिछोर में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस कार्यवाही में निरीक्षक घनश्याम भदौरिया, उपनिरीक्षक संजय भगत, प्रधान आरक्षक मृत्युंजय सिंह तथा आरक्षक पुष्पेंद्र सिंह, पीकेश कुमार, नंदकिशोर और राघवेंद्र यादव की कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सेवानिवृत्ति पर पुलिस कर्मियों को दी विदाई

नवभारत न्यूज

दिनारा, 30 जून। पुलिस विभाग में सेवा प्रदान करने के बाद सेवानिवृत्त हुए निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर एवं सउनि सरोज कछवाह को उनके सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा प्रमाण पत्र, सॉल-श्रीफल और पुष्प गुच्छ भेंट कर विदाई दी। पुलिस विभाग मे सेवा देने के बाद 30 जून को सेवानिवृत होने वाले अधिकारी/ कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक शिवपुरी यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा पुलिस कन्ट्रोल रुम शिवपुरी मे सेवानिवृत होने बाले पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के परिजनों के साथ विदाई कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गयी। निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर एवं सउनि सरोज कछवाह के 30 जून को सेवानिवृत्त होने पर पुलिस कन्ट्रोल रुम शिवपुरी में पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले द्वारा सेवानिवृत हुये पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों को उनके सेवाकाल के दौरान अनुभवों को साझा किया तथा अग्रिम भविष्य की शुभकामनाएं देकर उनको प्रमाण पत्र, सॉल, श्रीफल और पुष्प गुच्छ भेंट कर विदाई दी गयी इस अवसर पर अति. पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले, रक्षित निरीक्षक अनिल कवरेती, स्टेनो आशीष पटेरिया एवं सेवानिवृत्त हुए अधिकारी/ कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे।

आर्मी की ट्रेनिंग पूरी कर घर लौटे राज जाटव

फतेहपुर में निकाली भव्य स्वागत रैली

नवभारत न्यूज

शिवपुरी, 30 जून। भारतीय सेना की ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी कर अपने गांव लौटे फतेहपुर के युवा राज जाटव का ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। आर्मी की वर्दी में जैसे ही राज जाटव गांव पहुंचे, पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बन गया। लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत कर देश सेवा के प्रति उनके समर्पण को सलाम किया। राज जाटव के सम्मान में फतेहपुर बायपास से भव्य स्वागत रैली निकाली गई। डीजे और ढोल-नगाड़ों के साथ निकली रैली में बड़ी संख्या में युवा, ग्रामीण और सामाजिक संगठनों के लोग शामिल हुए। पूरे मार्ग में देशभक्ति के नारों से माहौल गूंजता रहा और लोगों ने सेना के जवान का उत्साहवर्धन किया।

रैली का समापन अंबेडकर पार्क में हुआ। यहां राज जाटव ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा सैल्यूट कर सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बाबा साहब के विचारों को याद करते हुए समाज में शिक्षा, समानता और राष्ट्रसेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। ग्रामीणों ने कहा कि राज जाटव का भारतीय सेना में चयन और प्रशिक्षण पूर्ण कर घर लौटना पूरे फतेहपुर क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। लोगों ने विश्वास जताया कि वह देश की सेवा करते हुए क्षेत्र का गौरव बढ़ाते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि राज जाटव की उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। यदि युवा लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करें तो वे भी सेना सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर सकते हैं। अंत में फतेहपुरवासियों ने राज जाटव को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, सफल सैन्य जीवन और राष्ट्रसेवा के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को दी विदाई

ग्वालियर, 30 जून। नेता प्रतिपक्ष हरिपाल ने कहा कि आज निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारी स्वस्थ रहें, जिस प्रकार निगम की सेवा पूरे मन से की है उसी प्रकार अब पूरे मन से परिवार को समय देना। इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों को शाल, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा कर्मचारियों के पीएफ की राशि बैंक खाते में पहुँचाई गई। इस अवसर पर उपनेता प्रतिपक्ष रवि तोमर, पार्षद विवेक सोनू त्रिपाटी आदि उपस्थित रहे। जलविहार स्थित सभा भवन में आयोजित सेवानिवृत कर्मचारियों के विदाई समारोह में सेवानिवृत्त हुए जनकार्य से नरेन्द्र कुमार हिंदवानी, सफाई संरक्षक गीता पत्नी रामदास एवं मिश्री पुत्र जुम्मा आदि शामिल हैं।

करोड़ों की शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त

प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

नवभारत न्यूज

पोहरी, 30 जून। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर करैरा प्रशासन ने हाईवे स्थित सिरसौद चौराहे पर करोड़ों रुपये मूल्य की शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराकर शासन के कब्जे में ले लिया। संयुक्त कार्रवाई के बाद भूमि ग्राम पंचायत को सुपुर्द कर दी गई।

जानकारी के अनुसार तहसील करैरा की ग्राम पंचायत घसारही के सर्वे क्रमांक 177, रकबा 1.50 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर दो लोगों द्वारा सीमेंट के पिलर लगाकर फेंसिंग कर अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत प्रशासन को मिली थी। शिकायत के बाद एसडीएम अनुपम शर्मा एवं तहसीलदार ललित शर्मा राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध निर्माण हटाकर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया।

कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद चौकीदार ने निर्माण कार्य सिंचाई विभाग द्वारा कराए जाने की जानकारी दी। प्रशासन ने तत्काल विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया, जिन्होंने किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य कराने से स्पष्ट इनकार कर दिया। इसके बाद प्रशासन ने अवैध कब्जा हटाते हुए शासकीय भूमि को अपने कब्जे में लिया और स्थल पर सूचना पटल भी स्थापित कराया।

एसडीएम अनुपम शर्मा ने कहा कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में प्रशासन की सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

पेड़-पौधे धरती माता के गहने होते हैं : कुशवाह

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन पर मंत्री के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 जून। जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर मंगलवार को सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस साल चले अभियान के तहत ग्वालियर जिले में इस साल जल संरक्षण व संवर्धन से संबंधित 18 हजार 704 कार्य पूर्ण हुए हैं। इससे लगभग 24 लाख घन मीटर जल संग्रहण क्षमता की बढ़ोत्तरी हुई है। बाल भवन में आयोजित हुए कार्यक्रम में मंत्री कुशवाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया। साथ ही जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नागरिकों व शासकीय सेवकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे व हरियाली धरती माता के गहने होते हैं। हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि जल संरक्षण व संवर्धन के साथ-साथ बड़े पैमाने पर पौधे रोपें और उनका संरक्षण भी करें।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, जीडीए के अध्यक्ष मधुसूदन सिंह भदौरिया, मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन, साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, मेला उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह व जिला पंचायत की उपाध्यक्ष प्रियंका घुरैया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं कलेक्टर रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत व अपर आयुक्त नगर निगम टी. प्रतीक राव मंचासीन थे।

मंत्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार द्वारा सभी की भागीदारी से नदी, कुएँ, बावड़ी, जलाशयों व अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिये चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अभियान के तहत ग्वालियर जिले में भी उल्लेखनीय काम हुए हैं। उन्होंने लक्ष्मीगंज क्षेत्र में स्थित मेहराब साहब की तलैया व शहर की बावड़ियों के जीर्णोद्धार को रेखांकित करते हुए कहा कि हम सब शहर की सभी 118 बावड़ियों के जीर्णोद्धार में सहभागी बनें। पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर ने कहा कि अभियान ने पर्यावरण व जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढ़ाई है। उन्होंने वर्षा काल में जन जागरूकता सभी के सहयोग से जल निकास की समुचित व्यवस्था बनाने पर बल दिया।

जीडीए अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया ने कहा कि हमारी संस्कृति में जल स्त्रोतों के संरक्षण की समृद्ध परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि यदि आज जल बचाया जायेगा तभी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान से सराहनीय काम तो हुए ही हैं, साथ ही पानी सहेजने का सकारात्मक वातावरण बना है। उन्होंने साझा प्रयासों से मुरार नदी पहले की तरह साफ-सुथरी बनाने की बात कही।

भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि कृषि, उद्योग और मानव जीवन के लिये जल अमूल्य संसाधन है। इसी बात को ध्यान में रखकर सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने कहा कि ग्वालियर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हुए हैं। उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्र में अभियान के माध्यम से बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है।

पहले जिले के किसान खेत तालाब बनाने से झिझकते थे, इस अभियान के माध्यम से जिले के किसानों के खेतों में पिछले साल से अब तक लगभग 900 खेत तालाब बनाए जा चुके हैं।

समाज को शिक्षा और संस्कार देना शिक्षक की जिम्मेदारी : लोधी

जिला पंचायत क्षेत्र की काफी अनुभवशील एवं लोकप्रिय नेता

नवभारत न्यूज

दिनारा, 30 जून। शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय कुचलौन में सेवानिवृत्त शिक्षक मुलायम प्रसाद वंशकार के सम्मान में भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

समारोह में विद्यालय परिवार, परिजनों, रिश्तेदारों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने सेवानिवृत्त शिक्षक वंशकार का शॉल, श्रीफल, पुष्पमालाओं एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर आत्मीय सम्मान किया। मुख्य

अतिथि जिला पंचायत सदस्य अनारी लाल लोधी ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह समाज को संस्कार और सही दिशा देने का कार्य करता है। समाज को शिक्षा एवं संस्कार प्रदान करना शिक्षक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वंशकार द्वारा विद्यालय परिसर एवं क्षेत्र में किया गया वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुकेश शर्मा ने कहा कि शिक्षक का दायित्व मिलना ईश्वर की महान कृपा है। एक शिक्षक अपने ज्ञान, अनुशासन और संस्कारों से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।बीएसी महेश कुमार लोधी ने कहा कि शिक्षक की कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और ईमानदारी ही उसकी सबसे बड़ी पहचान होती है। विद्यार्थियों को आदर्श एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना हर शिक्षक का नैतिक दायित्व है। पूर्व बीएसी अशोक बेदौरिया ने भी वंशकार के सेवाकाल, कार्यशैली एवं विद्यार्थियों के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। जनशिक्षक निलेश समाधिया सहित अन्य शिक्षकों ने भी श्री वंशकार के व्यक्तित्व एवं कार्यों पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में अरुण कुमार भैन्या, कप्तान बुंदेला, जगतराम राय, लोकेंद्र परमार (जनपद सदस्य), प्रकाश वंशकार, बल्लू वंशकार, कांति मोहन, अन्वेष कुमार, घमंडी लाल (पूर्व सरपंच), आनंद रावत, मयंक पटेरिया, संदीप साहू, रचना बुंदेला सहित विद्यालय परिवार, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।सेवानिवृत्त शिक्षक मुलायम प्रसाद वंशकार के सम्मान में आयोजित यह समारोह भावनाओं और यादों से भरा रहा।

वर्षा जल संरक्षण से लोगों को जलभराव से मिलेगी राहत

वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण तेजी से

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 30 जून। शहर में वर्षा जल के संरक्षण, भू-जल स्तर में सुधार और बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में नगर निगम ग्वालियर ने एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया है। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशन में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक पर आधारित वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोककर उसका अधिकतम संचयन करना तथा शहर को जलभराव की समस्या से राहत दिलाना है।

नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर ऐसे स्थानों की पहचान की गई है, जहां वर्षा के दौरान पानी का अधिक बहाव या जलभराव की स्थिति बनती है। इन चिन्हित स्थलों पर कम लागत और नवीन तकनीक के माध्यम से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं, ताकि बारिश का पानी सीधे जमीन में समाहित होकर भू-जल का पुनर्भरण (रीचार्ज) कर सके।

सहायक यंत्री राकेश कश्यप ने बताया कि वर्तमान में नगर निगम द्वारा 57 स्थानों पर वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं के निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार इन संरचनाओं के बनने से न केवल बारिश का पानी संरक्षित होगा, बल्कि सड़कों और कॉलोनियों में जलभराव की समस्या में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। इसके साथ ही भू-जल स्तर में सुधार होगा, जिससे भविष्य में पेयजल उपलब्धता और जल संसाधनों के संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

नगर निगम का कहना है कि शहर के अन्य आवश्यक एवं चिन्हित स्थलों पर भी चरणबद्ध तरीके से वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं विकसित की जाएंगी। यह अभियान जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक प्रभावी कदम साबित होगा। वर्षा जल के वैज्ञानिक प्रबंधन से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशन में संचालित यह अभियान शहर को जल संकट से बचाने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

नगर निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने घरों, संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी वर्षा जल संचयन प्रणाली अपनाकर इस जनहितकारी अभियान में सहभागी बनें। इस पहल से ग्वालियर न केवल जल संरक्षण के क्षेत्र में एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करेगा, बल्कि भविष्य में जलभराव जैसी समस्याओं पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सफलता प्राप्त करेगा।